बदहाली

सांसद के गृहग्राम के पास होने के बावजूद विकास से वंचित धनगांव, कीचड़ भरी राह बनी मुसीबत, एक ने फिर गवाई जान

आज भी चारपाई में ढोकर अस्पताल ले जाने मुख्य मार्ग लाते है मरीज

मंडला 30 जुलाई नभाप्र. आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला के दो विकासखंड निवास और मंडला के बीच बसे विकासखंड मोहगांव के अंतर्गत आने वाला ग्राम धनगांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। ऐसे आधुनिक युग में जहाँ देश में विकास की बातें की जाती हैं, वहीं यह गाँव सड़कों और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में अतीत की तस्वीर पेश कर रहा है। यहाँ की स्थिति इतनी बदहाल है कि बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुँचाने के लिए आज भी चारपाई का सहारा लेना पड़ता है। जिसमें उसकी जान जिंदगी और मौत के बीच झूलती है।

जानकारी अनुसार ग्राम धनगांव पहुँचने का कोई समुचित साधन नहीं है, न तो यहाँ सड़कें पक्की हैं और न ही कोई वाहन गाँव तक आसानी से पहुँच पाता है। बारिश के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि दो किलोमीटर लंबी कच्ची सड़क पूरी तरह से कीचड़ से भर जाती है। इसी कारण गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को भी ग्रामीण चारपाई पर डालकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है। यह न केवल मरीज के लिए अत्यंत पीड़ादायक है, बल्कि ग्रामीणों के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। बताया गया कि विगत दिवस सोमवार को धनगांव निवासी हीरालाल यादव का स्वास्थ्य बिगड़ गया। जिसके बाद ग्रामीण और परिजन हीरालाल को चारपाई पर लेटाकर मुख्य मार्ग तक लाने मजबूर थे। मरीज के परिजन और ग्रामीणों ने मिलकर उन्हें चारपाई पर लिटाया और कीचड़ भरी व ऊबड़-खाबड़ राह से पैदल ही अस्पताल तक ले जाने मुख्य मार्ग तक लेकर आए। वहीं एम्बुलेंस भी समय पर नहीं पहुंच सकी और मरीज हीरालाल की जिला चिकित्सालय में ईलाज के दौरान मौत हो गई। यह स्थिति प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल खड़े कर रही है, बल्कि जनप्रतिनिधियों की संवेदनहीनता को दिखा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है। बरसात में गांव बाहरी दुनिया से कट जाता है, और सड़क व स्वास्थ्य केंद्र जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कई बार मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता, जिससे उनकी जान चली जाती है। विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए बनी सरकारी योजनाएं भी यहां जमीनी स्तर पर बेअसर साबित हो रही हैं।

जल्द कराया जाए मार्ग का निर्माण

ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या को समझें और जल्द से जल्द सड़क निर्माण का कार्य करवाएँ, जिससे भविष्य में किसी भी मरीज को चारपाई पर ढोकर मुख्य मार्ग तक न ले जाना पड़े। इसके साथ ही गाँव में प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाए, जिससे ग्रामीणों को समय पर इलाज मिल सके। ग्राम धनगांव की स्थिति जैसे जिले में ऐसे कई गाँव विकास की मुख्यधारा से कटे हुए हैं। जब तक ऐसी समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक सबका साथ, सबका विकास का नारा अधूरा ही रहेगा।

जिम्मेदार ग्राम की कर रहे अनदेखी

ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम धनगांव मंडला सांसद के गृहग्राम से सटा हुआ गाँव है। ऐसी स्थिति में यह उम्मीद की जाती थी कि यहाँ विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, लेकिन हकीकत इसके उलट है, न तो पंचायत ने यहाँ की सड़क और स्वास्थ्य व्यवस्था की सुध ली और न ही जनप्रतिनिधियों ने इस ओर ध्यान दिया। ग्रामीणों का कहना है कि वे अपनी समस्याओं को कई बार पंचायत और जनप्रतिनिधियों के सामने रख चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि बीमार होने की स्थिति में वाहन गाँव तक नहीं पहुँच पाता, जिससे कभी-कभी मरीज को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और उसकी स्थिति गंभीर हो जाती है। ऐसे हालात में ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ हो रहा है।

प्रशासन की अनदेखी ने ली जान

जिले के मोहगांव जनपद अंतर्गत आने वाले बैगा बाहुल्य ग्राम धनगांव में एक बार फिर मूलभूत सुविधाओं के अभाव ने एक व्यक्ति की जान ले ली। बरसात के मौसम में बदहाल सड़कों के कारण गांव की स्थिति बेहद गंभीर हो जाती है, जिसका खामियाजा हाल ही में हीरालाल को भुगतना पड़ा। हीरालाल की तबीयत अचानक बिगड़ने पर परिजनों को उसे चारपाई पर लादकर अस्पताल ले जाने की मशक्कत करनी पड़ी। गांव तक पक्की सड़क न होने और कीचड़ व गड्ढों से रास्ता बाधित होने के कारण एम्बुलेंस को भी पहुंचने में डेढ़ घंटे की देरी हुई। 108 एम्बुलेंस के पहुंचने तक हीरालाल की हालत नाजुक हो चुकी थी। उसे जैसे-तैसे जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद सोमवार शाम 6 बजे हीरालाल ने दम तोड़ दिया।

उफनते बंधा नाले में बही बाइक, बाल-बाल बचा युवक

नैनपुर-डिठौरी मार्ग में तेज बहाव में बाइक पार करने की कोशिश पड़ी भारी

नैनपुर 30 जुलाई नभाप्र. नैनपुर से डिठौरी मार्ग पर स्थित बंधा नाले में बीती रात एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया, जहां तेज बहाव में एक मोटरसाइकिल बह गई, जबकि बाइक सवार युवक ने किसी तरह अपनी जान बचाने में सफलता पाई।

जानकारी अनुसार युवक मंडला से बालाघाट की ओर अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। बंधा नाला उस समय तेज उफान पर था और पानी पुलिया के ऊपर से बह रहा था। युवा जोश में आकर युवक ने जोखिम उठाते हुए बाइक समेत नाला पार करने का प्रयास किया। नाले के बीच में पहुंचते ही वह तेज बहाव में फंस गया। जब उसकी जान पर बन आई, तो उसने मोटरसाइकिल को छोड़कर अपनी जान बचाने की कोशिश की। देखते ही देखते उसकी मोटरसाइकिल नाले के तेज बहाव में बह गई। युवक किसी तरह पुलिया के दूसरे किनारे तक आया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचा। इस दौरान गांव के कुछ लोगों ने उसकी मदद की।

बताया गया कि यह घटना एक बार फिर ग्रामीण अंचलों में बारिश के दौरान उफनते नदी-नालों को पार करने में बरती जाने वाली लापरवाही को उजागर करती है। लगातार चेतावनी और समझाइश के बावजूद लोग अपनी जान जोखिम में डालकर ऐसे जानलेवा कृत्यों से बाज नहीं आ रहे हैं। प्रशासन और स्थानीय लोगों को इस संबंध में और अधिक जागरूकता अभियान चलाने की आवश्यकता है जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

मत्स्याखेट के दौरान जाल में फंसा दुर्लभ अहिराज सांप

मंडला 30 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले में मत्स्याखेट पर 15 अगस्त तक प्रतिबंध लगा हुआ है, बावजूद इसके जिले भर में मत्स्याखेट बेखौफ जारी है। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत हिरदेनगर में मत्स्याखेट के दौरान मछली पकड़ रहे मछुआरों के जाल में एक दुर्लभ और अत्यंत जहरीला तीन फीट लंबा बेनडेड करेट अहिराज सांप फंस गया। जैसे ही इसकी सूचना मिली सर्प मित्र उत्तम मेहरा तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने अत्यधिक सावधानी बरतते हुए ब्लेड की मदद से मछली पकड़ने वाले जाल को काटकर सांप को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद इस जहरीले सांप को वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

उत्तम मेहरा ने बताया कि बेनडेड करेट सांप भारत के सबसे जहरीले सांपों में से एक है, जो कि सामान्य करेट कॉमन करेट से भी अधिक विषैला होता है। इसकी एक और खासियत यह है कि यह अन्य सांपों का भी शिकार करता है, जिस कारण इसे सांपों का शिकारी भी कहा जाता है। सर्प मित्र उत्तम मेहरा की इस तत्परता और सावधानी भरे कार्य से न केवल एक दुर्लभ प्रजाति के सांप की जान बचाई गई, बल्कि वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का एक महत्वपूर्ण संदेश भी दिया गया।

हिरदेनगर पंचायत में अवैध मछली पकड़ने के दौरान दिखा भारत का सबसे जहरीला सांप
सर्प मित्र ने बचाई जान
सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ा

सूर्यकुण्ड धाम में आज होगा भव्य दिव्य अनुष्ठान

सकवाह के हनुमान मंदिर में ब्रह्ममुहूर्त से शुरू होगा रुद्राभिषेक

मंडला 30 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले के ग्राम सकवाह स्थित सूर्यकुण्ड धाम के दक्षिणमुखी श्री हनुमान मंदिर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आज गुरूवार को भव्य दिव्य सर्वसिद्धि अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक अनुष्ठान ब्रह्ममुहूर्त आरती के बाद सुबह 4.30 बजे से आरंभ होगा।

इस विशेष आयोजन के अंतर्गत रुद्रावतारी श्री हनुमान महाराज की पवित्र मूर्ति पर महामंत्र रुद्राभिषेक संपन्न किया जाएगा। यह रुद्राभिषेक सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि भक्तों को कार्य सिद्धि, मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का आशीर्वाद भी प्रदान करता है।

बताया गया कि सूर्यकुण्ड धाम सकवाह के ब्रम्हमुहूर्त आरती सेवादार समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के प्रेरणास्त्रोत श्री श्री 1008 ब्रह्मलीन भारती महाराज हैं, जिनके आशीर्वाद से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है। आयोजकों ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दिव्य अनुष्ठान में भाग लेने और प्रभु हनुमान जी की कृपा प्राप्त करने का आग्रह किया है।

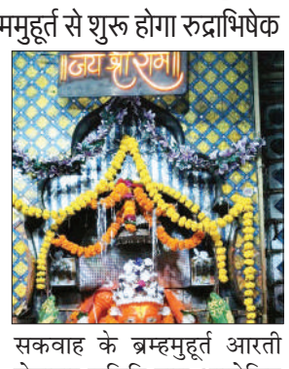

नैनपुर रेलवे अंडरब्रिज का अधूरा काम पूरा

खबर का हुआ असर, राहगीरों को मिली राहत

नैनपुर 30 जुलाई नभाप्र. नैनपुर के वार्ड क्रमांक 6 और 8 के बीच स्थित रेलवे अंडरब्रिज का अधूरा पड़ा निर्माण कार्य, जिससे राहगीरों को लगातार परेशानी और दुर्घटना का खतरा बना हुआ था, अब पूरा कर लिया गया है। इस समस्या के लिए नवभारत में प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई थी, जिसके बाद अधूरा कार्य पूर्ण किया गया। बताया गया कि विगत दिनों इस अंडरब्रिज की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय नागरिक रेलवे विभाग के सहायक अभियंता और आईओडब्ल्यू अधिकारियों की घोर लापरवाही से खासे परेशान थे। पिछले 15 दिनों से ठेकेदार काम अधूरा छोड़कर चला गया था, जिसके कारण निर्माण स्थल पर कांक्रीट के गड्ढे और खुले लोहे के सरिए दुर्घटना को आमंत्रित कर रहे थे। रेलवे अधिकारियों ने केवल एक छोटा और ठीक से न दिखने वाला सावधान- निर्माण कार्य प्रगति पर है का साइन बोर्ड लगाकर अपनी औपचारिकता पूरी कर ली थी, जिससे उनकी उदासीनता स्पष्ट झलक रही थी। बताया गया कि यह अंडरब्रिज आसपास के हजारों नागरिकों, वार्ड निवासियों, स्कूली छात्रों और विभिन्न वाहनों के आवागमन का मुख्य मार्ग है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग यहाँ से गुजरते हैं, और खुले गड्ढे व सरिए किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते थे। नवभारत अखबार द्वारा इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उजागर करने के बाद रेलवे प्रशासन हरकत में आया और अधूरा काम पूरा कर लिया गया है, जिससे अब इस मार्ग से गुजरने वाले सभी लोगों को बड़ी राहत मिली है।

हाथीतारा में बालक-बालिका छात्रावासों का भूमिपूजन, विद्यार्थियों को मिलेगी आवासीय सुविधा

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने किया शिलान्यास, पीएम जनमन अभियान के तहत बनेंगे 50-50 सीटर छात्रावास

निवास 30 जुलाई नभाप्र. निवास विकासखंड के ग्राम हाथीतारा में विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधा देने के उद्देश्य से बालक और बालिका छात्रावास भवनों का भूमिपूजन किया गया। मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सांदीपनि विद्यालय के प्रांगण में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में इन भवनों के निर्माण की आधारशिला रखी। यह आयोजन शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पीएम जनमन अभियान के राष्ट्रीय कार्यक्रम प्रसारण के साथ किया गया, जहां कलेक्टर ने भूमिपूजन शिलापट का अनावरण किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. संजय कुशराम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कमलेश तेकाम, जनपद पंचायत निवास अध्यक्ष मंजू रानी कुलस्ते, उपाध्यक्ष घनश्याम सूर्यवंशी, उपाध्यक्ष नगर परिषद निवास बसंत चौधरी, भाजपा मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे, राकेश रजक, ग्राम की सरपंच, एसडीएम निवास सीएल वर्मा, एसी ट्रायबल वंदना गुप्ता, डीईओ मुन्नी वरकड़े, जनपद सीईओ श्रद्धा सोनी सहित अन्य गणमान्य नागरिक, विद्यालय की प्राचार्य संगीता मथानिया, स्टाफ और विद्यार्थी मौजूद रहे। मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते भी वर्चुअली इस कार्यक्रम से जुड़े।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पूजन-अर्चन कर किया गया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना गाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। भवन निर्माण अभिकरण के डीजीएम ने बताया कि ये छात्रावास पीएम जनमन योजना के तहत स्वीकृत हुए हैं। ग्राम हाथीतारा में 50-50 सीटर क्षमता वाले दो छात्रावास भवनों का निर्माण सांदीपनि विद्यालय भवन के साथ ही शुरू होगा। उन्होंने बताया कि दोनों छात्रावास 15 माह के भीतर और सांदीपनि विद्यालय का भवन दिसंबर 2025 तक पूरा हो जाएगा।

जनपद पंचायत अध्यक्ष मंजू रानी कुलस्ते ने अपने संबोधन में कहा कि हाथीतारा में यह निर्माण विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए बहुत उपयोगी होगा। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हर विकासखंड में उत्तम सुविधाओं से युक्त सांदीपनि विद्यालय और हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। अब ग्रामीण अंचलों के विद्यार्थियों को भी शहरी सुविधाएं मिलेंगी, जिससे वे आसानी से उच्च शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। कार्यक्रम के बाद परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला परियोजना संचालन अरविंद विश्वकर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी सुनील दुबे और शिक्षक पुरुषोत्तम विश्वकर्मा ने किया।

नारायणगंज सीएचसी में मोतियाबिंद शिविर आयोजित

7 मोतियाबिंद के मरीज चिन्हित, ऑपरेशन के लिए मरीज भेजे गए देवजी नेत्रालय जबलपुर

नारायणगंज 30 जुलाई नभाप्र. नारायणगंज ब्लाक के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारायणगंज में सीबीएमओ डॉ. अमृत लाल कोल के मार्गदर्शन में मोतियाबिंद से पीड़ित समेत अन्य नेत्र रोग मरीजों के लिए नि:शुल्क नेत्र शिविर मंगलवार को आयोजित किया गया। शिविर में 10 मरीजों का जांच परीक्षण नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी और देवजी नेत्रालय डॉ. पवन स्थापक की टीम से विनोद विश्वकर्मा द्वारा किया गया। जानकारी अनुसार नारायणगंज में आयोजित नेत्र रोग शिविर में 10 मरीजों की जांच की गई। जिसमें 07 मरीज मोतियाबिंद के चिन्हित किए गए। शेष अन्य दृष्टि दोष के मरीजों का जांच परीक्षण के बाद उन्हें आवश्यकता अनुसार दवाईयां और चश्में दिया गया। इसके साथ मोतियाबिंद के चिन्हित 07 मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए दोपहर 3 बजे जबलपुर देवजी नेत्रालय के लिए रवाना हुए। चिन्हित मोतियाबिंद के मरीजों का ऑपरेशन देवजी नेत्रालय के डॉ. पवन स्थापक द्वारा किया जाएगा। बताया गया कि देवजी नेत्रालय डॉ. पवन स्थापक जबलपुर द्वारा मापदंड अनुसार अत्याधुनिक तकनीक से नेत्र रोगियों का परीक्षण, उपचार व आपरेशन किया जाता है। उपचार, आपरेशन, परिवहन, भोजन, औषधियां व चश्मों की नि:शुल्क सुविधा मरीजों को दी जाती है। इसी तारतम्य में नारायणगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नेत्र रोग संबंधित शिविर आयोजित किया गया। जहां मरीजों का नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी द्वारा जांच, परीक्षण किया गया। यहां से जांच परीक्षण और चिन्हित करने के बाद देवजी नेत्रालय जबलपुर में नि:शुल्क ऑपरेशन कर लैंस प्रत्यारोपण किया जाएगा।

बस स्टैंड और सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने पंचायत का फैसला

पड़रिया पंचायत का अतिक्रमण पर एक्शन
अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत ने उठाए कड़े कदम
आज से लागू होंगे नए नियम

नारायणगंज 30 जुलाई नभाप्र. जनपद पंचायत नारायणगंज की ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज ने बस स्टैंड और आसपास की सड़कों पर बढ़ते अवैध अतिक्रमण को लेकर बैठक आयोजित की। बैठक में बस स्टैंड पर लगने वाले सब्जी ठेले, चाय-पान-समोसा के ठेले वाले और स्थायी दुकानदारों को बुलाकर अतिक्रमण की समस्या का समाधान निकालने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य बसों की आवाजाही को सुगम बनाना और निजी दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाना था। ग्राम पंचायत पड़रिया और नारायणगंज में हुई इस सार्वजनिक बैठक में सर्वसम्मति से कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। पंचायत ने सब्जी विक्रेताओं को उनसे सुझाव लेकर एक निर्धारित स्थान पर दुकानें लगाने की जगह दी है। इसी तरह बस स्टैंड पर लगने वाले ठेलों के लिए भी एक निश्चित स्थान तय किया गया है, जिससे वे अपनी दुकानें सुचारु रूप से चला सकें। यात्री प्रतीक्षालय और महिला प्रसाधन के सामने से ठेलों को हटा दिया गया है। बताया गया कि निजी दुकानदारों के लिए भी नए नियम बनाए गए हैं। अब दुकान के बाहर 3 फुट से अधिक दुकान लगाने पर सामान जब्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही बीच सड़क में किसी भी प्रकार की दुकान लगाने पर निजी दुकानदारों पर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही यह भी निर्णय लिया गया है कि जो दुकानदार इन नियमों का उल्लंघन करेगा, उसे पंचायत द्वारा निर्धारित दंड दिया जाएगा। उपस्थित लोगों की सहमति से यह निर्णय लिया गया कि इन सभी नियमों का पालन 31 जुलाई से सख्ती से किया जाएगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आयोजित बैठक में जनपद पंचायत सीईओ दीप्ति यादव, जनपद अध्यक्ष आसाराम भारतीय, उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, रतन सिंह ठाकुर, मंग लाल सोनी, रघुनंदन विश्वकर्मा, थाना टिकरिया से एसआई, सरपंच राजकुमार तेकाम, सचिव अभिषेक शर्मा, मीडिया से राजेश सोनी और आशीष सोनी के साथ स्थानीय दुकानदार, सब्जी विक्रेता और बस स्टैंड पर दुकान लगाने वाले दुकानदार शामिल हुए।

अनदेखी

जनप्रतिनिधियों और विभाग की अनदेखी से सैकड़ों लोग जान जोखिम में डाल कर रहे काम

लोक सेवा केंद्र बना जर्जर, छत टूटने की कगार पर, हादसे का अंदेशा

मंडला 30 जुलाई नभाप्र. मंडला जिले का बीजाडांडी लोक सेवा केंद्र इस समय अपनी जर्जर हालत के कारण किसी बड़ी दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। भवन की छत से लगातार पानी टपक रहा है, दीवारें सीलन से भर चुकी हैं और छत के कुछ हिस्से टूटकर गिरने की कगार पर हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस बदहाल भवन में रोजाना सैंकड़ों की संख्या में लोग आधार कार्ड अपडेट, जाति-निवास, आय प्रमाण पत्र जैसी आवश्यक सेवाओं के लिए आते हैं। यहाँ काम कर रहे स्थानीय कर्मचारियों और आम नागरिकों को जान जोखिम में डालकर अपना कार्य करना पड़ रहा है।

बताया गया कि छत से टपकते पानी के बीच महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभालना और कम्प्यूटर पर काम करना उनकी रोजमर्रा की चुनौती बन गया है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि वे कई बार जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को इस गंभीर विषय में जानकारी दे चुके हैं, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। लोगों का आरोप है कि हर साल भवन की मरम्मत और पुताई के लिए बजट स्वीकृत होता है, लेकिन उस राशि का सदुपयोग नहीं किया जा रहा है। इससे यह संदेह गहराता है कि कहीं यह स्वीकृत राशि गबन तो नहीं हो रही है।

शौचालयों की भी स्थिति दयनीय

लोक सेवा केंद्र के शौचालयों की स्थिति भी बेहद खराब और अस्वच्छ है। गंदगी इतनी ज्यादा है कि बदबू परिसर के बाहर तक महसूस होती है, जिससे यहाँ आने वाले लोग और कर्मचारी परेशान रहते हैं। शौचालयों में पानी तक की समुचित व्यवस्था नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्या इस केंद्र में एक साधारण सफाईकर्मी की नियुक्ति भी नहीं की जा सकती, शौचालयों की यह स्थिति स्वच्छता अभियान की धज्जियाँ उड़ाती नजर आ रही है।

जांच कर कार्रवाई की मांग

बीजाडांडी की जनता ने उच्च अधिकारियों से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जाँच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते भवन की मरम्मत और उचित रखरखाव नहीं किया गया, तो किसी भी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। ऐसी किसी भी अनहोनी की स्थिति में इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की होगी। स्थानीय नागरिक आक्रोशित है। स्थानीयजनों का कहना है कि स्थानीय प्रशासन और प्रशासन किसी हादसे का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद इस जर्जर भवन का सुधार कार्य किया जाएगा। यह मामला सिर्फ बीजाडांडी का नहीं बल्कि उन सभी ग्रामीण क्षेत्रों का है, जहाँ सरकारी भवन अपनी दुर्दशा पर आँसू बहा रहे हैं और आम जनता को जोखिम उठाना पड़ रहा है। इस मामले में तत्काल ध्यान देने और सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है जिससे नागरिकों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में सरकारी सेवाएँ मिल सकें।